23 Apr. 2024

DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

Date: 23 Apr. 2024

Important News Articles

1. दोनों देशों द्वारा अनुमोदित और अधिसूचित होने के बाद प्रोटोकॉल DTAA में संशोधन करेगा: मॉरीशस'- द हिंदू
2. असाधारण मामला: SC ने 30 सप्ताह के भ्रूण के गर्भपात की अनुमति दी - इंडियन एक्सप्रेस
3. विश्व पृथ्वी दिवस 2024: थीम, इतिहास, विषय और महत्व - इंडियन एक्सप्रेस
4. कर्नाटक को सूखे से राहत देने हेतु SC ने केंद्र को एक सप्ताह का समय दिया- द हिंदू
5. वैश्विक प्लास्टिक संधि पर वार्ता कनाडा में आयोजित होगी - द इंडियन एक्सप्रेस
6. FSSAI भारत में बिकने वाले मसालों की गुणवत्ता की जांच करेगा - इंडियन एक्सप्रेस
7. प्रशासनिक आवंटन के लिए केंद्र की याचिका पर सुनवाई के लिए SC सहमत - द हिंदू

Editorials, Gists and Explainers

8. ताइवान में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया - द हिंदू
9. जलवायु परिवर्तन के संबंध में संवैधानिक प्रावधान- द हिंदू
10. लोकसभा चुनाव: स्टार प्रचारक- उद्देश्य, संशोधित दिशानिर्देश - द हिन्दू

Quick Look

1. रैम्पेज मिसाइल
2. आर्टेमिस समझौते
3. माउंट एरेबस
4. राष्ट्रीय बायोमटेरियल सेंटर (राष्ट्रीय ऊतक बैंक)
5. कॉपीराइट उल्लंघन

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन II

1. दोनों देशों द्वारा अनुमोदित और अधिसूचित होने के बाद प्रोटोकॉल DTAA में संशोधन करेगा: मॉरीशस'- द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मानचित्र आधारित प्रश्न
- डबल टैक्सेशन एवोइडेंस एग्रीमेंट (DTAA)

समाचार:
- **मॉरीशस राजस्व प्राधिकरण (MRA)** ने पिछले सप्ताह कहा था कि आधार **क्षरण** और **लाभ स्थानांतरण न्यूनतम मानकों** का अनुपालन करने के लिए **मॉरीशस-भारत डबल टैक्सेशन एवोइडेंस एग्रीमेंट (DTAA)** में **संशोधन** करने वाले **प्रोटोकॉल** को अभी तक अनुमोदित नहीं किया गया है।
- **MRA** ने कहा कि **दोनों देशों** द्वारा **अनुमोदित** और **अधिसूचित** होने के बाद **प्रोटोकॉल DTAA** में संशोधन करेगा।
- "**प्रोटोकॉल** इन **अधिसूचनाओं** के बाद की **तारीख** से लागू होगा।
- **प्रोटोकॉल** के **अनुसमर्थन** से पहले, **हितधारकों** को **मॉरीशस-भारत DTAA** में लाए जा रहे **संशोधनों** पर स्पष्ट **जानकारी प्रदान** की जाएगी।
- **भारत** और **मॉरीशस** ने **7 मार्च** को **DTAA** में एक **संशोधन** पर **हस्ताक्षर किए** और **समझौते** में एक **प्रमुख उद्देश्य परीक्षण** शामिल किया ताकि यह **सुनिश्चित** किया जा सके कि संधि का लाभ केवल वास्तविक उद्देश्य वाले लेनदेन के लिए दिया जाता है।

भारत और मॉरीशस के बीच दोहरा कर बचाव समझौता (DTAA):
- **भारत और मॉरीशस** की **सरकारें डबल टैक्सेशन** से बचने के संबंध में **वर्ष 1983 में** एक **सर्वसम्मत निर्णय** पर पहुंचीं है।
- यह **भारत** और **मॉरीशस** के बीच **डबल टैक्सेशन एवोइडेंस एग्रीमेंट एवोइडेंस एग्रीमेंट** या **DTAA** है।
- **भारत** और **मॉरीशस** के बीच हस्ताक्षरित **DTAA** के समझौते एक या **दोनों अनुबंधित राज्यों** के निवासियों पर लागू होंगे।

उद्देश्य:
- **टैक्स निश्चितता** प्रदान करके और **टैक्स बाधाओं** को कम करके **भारत और मॉरीशस** के बीच **द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों** और निवेश को बढ़ावा देना।

संशोधन का प्रभाव:
- संशोधन के बाद, चिंताएं थीं कि **मॉरीशस के माध्यम** से आने वाले **विदेशी पोर्टफोलियो** निवेश को **टैक्स अधिकारियों** द्वारा बढ़ी हुई जांच का सामना करना पड़ेगा।
- साथ ही, ऐसी आशंकाएं भी थीं कि **पिछले निवेशों** को **संशोधित प्रोटोकॉल** द्वारा **कवर** किया जा सकता है।
- इसके कारण **12 अप्रैल, 2024** को भारत के **बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स** और **निफ्टी** में 1 **प्रतिशत** की गिरावट आई है।

2. असाधारण मामला: SC ने 30 सप्ताह के भ्रूण के गर्भपात की अनुमति दी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- MTP अधिनियम 1971

समाचार:
- **सुप्रीम कोर्ट** ने **यौन उत्पीड़न** की **14 वर्षीय पीड़िता** को लगभग **30 सप्ताह** के **गर्भ** को **समाप्त** करने की अनुमति दे दी है।
- एक बेंच ने कहा कि यह "एक बहुत ही असाधारण मामला है जहां हमें उसकी (लड़की की) रक्षा करनी है"।

भारत में गर्भपात कानून

- **वर्ष 1971** से **भारत** का **गर्भपात कानून** (MTP अधिनियम) (2021 में संशोधित) **महिलाओं** को **गर्भावस्था** को समाप्त करने की अनुमति देता है।
- **20 सप्ताह** तक, एक **डॉक्टर** की मंजूरी पर्याप्त है।
- **20-24 सप्ताह** तक, इसे केवल **विशेष स्थितियों** (जैसे बलात्कार या युवा लड़कियों) में ही अनुमति दी जाती है और इसके लिए **दो डॉक्टरों** से **अनुमोदन** की आवश्यकता होती है।
- 24 सप्ताह के बाद चीजें जटिल हो जाती हैं।
- विशेष **क्लीनिक** यह तय कर सकते हैं कि **गर्भपात** की **अनुमति** है या नहीं, लेकिन केवल तभी जब **भ्रूण** में कोई **गंभीर समस्या** हो (यह देखने के लिए "व्यवहार्यता परीक्षण" द्वारा जांच की जाती है कि क्या यह गर्भ के बाहर जीवित रह सकता है)।
- यह **परीक्षण विवादास्पद** है क्योंकि यह कुछ हद तक **पुरानी समय-सीमा (24 सप्ताह)** पर आधारित है।
- अदालतें कभी-कभी बाद में भी गर्भपात की अनुमति दे सकती हैं।
- उदाहरण के लिए, हाल के एक मामले में एक **14 वर्षीय लड़की** को संभावित **मानसिक** और **शारीरिक** क्षति के कारण अपनी **गर्भावस्था समाप्त** करने की अनुमति दी गई।

MTP एक्ट 2021

- **अधिनियम** उन **स्थितियों** को **नियंत्रित** करता है जिनके तहत **गर्भावस्था** को **समाप्त** किया जा सकता है।
- यह उस **समयावधि** को बढ़ाता है जिसके भीतर **गर्भपात** किया जा सकता है।
- वर्तमान में, **गर्भपात** के लिए एक **डॉक्टर** की राय की आवश्यकता होती है यदि यह गर्भधारण के **12 सप्ताह** के भीतर किया जाता है और यदि यह **12 से 20 सप्ताह** के बीच किया जाता है तो **दो डॉक्टरों** की राय की आवश्यकता होती है।
- यह **20 सप्ताह** तक एक **डॉक्टर** की सलाह पर और **20 से 24 सप्ताह** के बीच **कुछ श्रेणियों** की **महिलाओं** के मामले में **दो डॉक्टरों** की सलाह पर **गर्भपात** कराने की अनुमति देता है।
- यह यह तय करने के लिए **राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड** का गठन करता है कि भ्रूण में पर्याप्त **असामान्यताओं** के मामलों में **24 सप्ताह** के बाद **गर्भावस्था** को समाप्त किया जा सकता है या नहीं।

सामान्य अध्ययन III

---

3. विश्व पृथ्वी दिवस 2024: थीम, इतिहास, विषय और महत्व - इंडियन एक्सप्रेस

प्रीलिम्स टेकअवे
• WWF
• पृथ्वी दिवस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:

- **विश्व पृथ्वी दिवस**, जिसे **अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस** के रूप में भी जाना जाता है, एक **विश्व स्तर** पर मान्यता प्राप्त कार्यक्रम है जो जागरूकता बढ़ाने और हमारे **ग्रह की स्थिरता** को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

मुख्य बिंदु

- हर साल **22 अप्रैल** को मनाया जाने वाला **पृथ्वी दिवस** एक **वैश्विक आंदोलन** है जो **वर्ष 1970** में शुरू (वर्ष 2024 में इसके 54वें वर्ष को चिह्नित करते हुए) हुआ था।
- इसकी शुरुआत **अमेरिका** में **सांता बारबरा तेल रिसाव** जैसी घटनाओं से होने वाले **पर्यावरणीय नुकसान** के **विरोध** में **लाखों** लोगों द्वारा की गई।
- **संयुक्त राष्ट्र** ने **वर्ष 2009** में **आधिकारिक तौर** पर **पृथ्वी दिवस** को मान्यता दी गई।
- अब **192 देशों में** मनाया जाता है और **Earthday.org** द्वारा आयोजित किया जाता है

उद्देश्य

- इसका लक्ष्य **दुनिया** का सबसे बड़ा **पर्यावरण आंदोलन** बनना है।
- **पृथ्वी दिवस** का उद्देश्य **ग्रह** के **पारिस्थितिकी** तंत्र को ठीक करने, **जलवायु परिवर्तन** से लड़ने और पृथ्वी पर जीवन की **विविधता की रक्षा** करने के लिए सभी को मिलकर काम करने के लिए **प्रोत्साहित** करना है।
- इस **वैश्विक** प्रयास को सफलता मिली है, जैसे **पृथ्वी दिवस वर्ष 2016** पर **ग्रीनहाउस गैसों** को कम करने के लिए **पेरिस समझौते** पर **हस्ताक्षर** किए गए थे।
- इस वर्ष की थीम, **"प्लैनेट बनाम प्लास्टिक"**, प्लास्टिक प्रदूषण की बढ़ती **समस्या पर प्रकाश** डालती है, जो अब **दुनिया** भर में **प्रति वर्ष 380 मिलियन टन** से अधिक तक पहुँच जाती है।

- यह हमारे **ग्रह और स्वास्थ्य** के लिए **प्लास्टिक से उत्पन्न** खतरे पर जोर देता है और **वर्ष 2040** तक **प्लास्टिक** उत्पादन में **नाटकीय कमी** लाने का आह्वान करता है।

4. कर्नाटक को सूखे से राहत देने हेतु SC ने केंद्र को एक सप्ताह का समय दिया- द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- सेंडाई फ्रेमवर्क
- NDMA

प्रासंगिकता: आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

समाचार:
- **सुप्रीम कोर्ट** ने **केंद्र** और **कर्नाटक** को **संघीय ढांचे** में उत्पन्न होने वाले **मतभेदों** को **सौहार्दपूर्ण** ढंग से हल करने की आवश्यकता के बारे में याद दिलाया।
- **केंद्र सरकार** ने **आश्वासन** दिया कि एक सप्ताह के भीतर **कर्नाटक** की **सूखे** की **चिंताओं** को हल करने के लिए "कुछ किया जाएगा"।
- **राज्य** ने कहा कि केंद्र **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005** की **वैधानिक योजना** का उल्लंघन कर रहा है।
- **सूखा प्रबंधन** के लिए **मैनुअल** और **राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष** और **NDRF** के प्रशासन पर दिशानिर्देश।

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005
- यह आपदा प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय, राज्य, जिला और स्थानीय स्तर पर संस्थागत, कानूनी, वित्तीय और समन्वय तंत्र निर्धारित करता है।
- **अधिनियम आपदा प्रबंधन प्रयासों** की **देखरेख और कार्यान्वयन** के लिए **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)** और **राज्य** और **जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण** जैसे विभिन्न **प्राधिकरणों** और **समितियों की स्थापना** को अनिवार्य करता है।
- भारतीय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के अध्यक्ष **भारत** के **प्रधानमंत्री** होते हैं।
- NDMA ने भारत में **सूखे के उचित प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश (2010) जारी किए हैं**
- **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (NDMP) 2016** में जारी की गई, यह **आपदा प्रबंधन** के लिए देश में तैयार की गई **पहली राष्ट्रीय योजना** है।
- **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना** (2016) के साथ, भारत ने अपनी **राष्ट्रीय योजना** को **आपदा जोखिम न्यूनीकरण वर्ष** 2015-2030 के लिए **सेंडाई फ्रेमवर्क** के साथ जोड़ दिया है।

केंद्र और राज्यों के प्रशासनिक संबंध (अनुच्छेद 256 से 263):
- राज्यों को संसद द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन करना आवश्यक है
- प्रशासनिक मामलों में "सहकारी संघवाद" की संकल्पना।
- कुछ मामलों पर राज्यों को निर्देश देने की केंद्र की शक्ति

5. वैश्विक प्लास्टिक संधि पर वार्ता कनाडा में आयोजित होगी - द इंडियन एक्सप्रेस

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्लास्टिक के प्रकार
- OECD रिपोर्ट

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन।

समाचार:
- वर्ष के अंत तक **प्लास्टिक प्रदूषण** को समाप्त करने के लिए एक **वैश्विक संधि** पर चर्चा करने के लिए वैश्विक नेताओं ने कनाडा में मुलाकात की है।

मुख्य बिंदु:
- **वर्ष 2022** में संयुक्त राष्ट्र **पर्यावरण सभा** में, राष्ट्रों ने **विश्व** के **प्लास्टिक प्रदूषण संकट** से निपटने के लिए **वर्ष 2024** के अंत तक एक कानूनी रूप से **बाध्यकारी समझौता विकसित** करने पर सहमति व्यक्त की है।
- यह संधि **प्लास्टिक** को उसके संपूर्ण **जीवनचक्र के माध्यम** से संबोधित करने के लिए निर्धारित है
- सऊदी अरब, ईरान और चीन सहित कई **प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल उत्पादक देशों,** जिन्हें सामूहिक रूप से समान **विचारधारा वाले देशों** के समूह के रूप में जाना जाता है, ने **उत्पादन सीमा** का उल्लेख करने का विरोध किया है।
- इस बीच, **60 देशों** का "**उच्च-महत्वाकांक्षा गठबंधन**", जिसमें **यूरोपीय संघ** के देश, **द्वीप राष्ट्र, जापान** और **संयुक्त अरब अमीरात** शामिल हैं, **वर्ष 2040** तक **प्लास्टिक प्रदूषण** को समाप्त करना चाहते हैं।

प्लास्टिक उपयोग:

- **पेट्रोकेमिकल उद्योग** (प्लास्टिक बनाने के लिए प्रयुक्त) का कहना है कि **उत्पादन सीमा** से कीमतें बढ़ेंगी और संधि को इस पर ध्यान देना चाहिए:
  - प्लास्टिक का पुन: उपयोग या पुनर्चक्रण , और प्लास्टिक को ईंधन के रूप में जलाने के लिए बाजार विकसित करना।

प्लास्टिक
- प्लास्टिक पॉलिमर हैं पॉलिमर कई दोहराई जाने वाली इकाइयों से बना एक पदार्थ है ।
- प्लास्टिक को **दो भागों थर्मोप्लास्टिक्स** और **थर्मोसेट्स** में विभाजित किया जा सकता है।
- **थर्मोप्लास्टिक्स** को **ऐसे पॉलिमर** के रूप में **परिभाषित** किया जाता है जिन्हें लगभग **अनिश्चित काल** तक **पिघलाया और दोबारा** बनाया जा सकता है।
- **थर्मोसेट्स** एक बहुलक है जो गर्म होने पर अ**परिवर्तनीय रूप** से कठोर हो जाता है

भारत द्वारा किये गये प्रयास:
- प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2021 2022 तक चिन्हित एकल उपयोग वाली **प्लास्टिक वस्तुओं** पर प्रतिबंध लगाता है
- प्लास्टिक कैरी बैग की मोटाई व**र्ष 2021** में **50** से **बढ़कर 75 माइक्रोन** और 2022 से **120 माइक्रोन** हो गई है।
- **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2022** दिशानिर्देश प्लास्टिक **पैकेजिंग क**चरे की **चक्रीय अर्थव्यवस्था** को मजबूत करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं
- प्लास्टिक पैकेजिंग के नए विकल्पों के विकास को बढ़ावा देना
- व्यवसायों द्वारा सतत प्लास्टिक पैकेजिंग की दिशा में आगे बढ़ने के लिए कदम प्रदान करें

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन
- वर्ष 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने की दिशा में अंतरिम रिपोर्ट जारी की गई:
- वैश्विक स्तर पर **21 मिलियन टन (MT)** प्लास्टिक पर्यावरण में लीक हो गया।

6. FSSAI भारत में बिकने वाले मसालों की गुणवत्ता की जांच करेगा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रीलिम्स टेकअवे
- इथिलीन ऑक्साइड
- FSSAI

प्रासंगिकता: वैधानिक निकाय

समाचार:
- **हांगकांग और सिंगापुर** में **अधिकारियों** द्वारा **एथिलीन ऑक्साइड** के **उच्च स्तर** का पता चलने के बाद भारत के **दो शीर्ष मसाला निर्माताओं** से **चार मसाला मिश्रण वापस** लेने का आदेश दिए जाने के बाद, **FSSAI** ने **राज्यों** से **ब्रांडेड मसालों** का **परीक्षण** करने को कहा है।

मुख्य बिंदु:
- **एथिलीन ऑक्साइड** की उपस्थिति के लिए सभी **ब्रांडों** के **मसाला मिश्रणों** के **नमूनों का परीक्षण** किया जाएगा, नियमों के अनुसार **खाद्य उत्पादों** में इस यौगिक की अनुमति नहीं है।
- **खाद्य नियामक** ने यह जांचने के लिए **शिशु फार्मूला के नमूने एकत्र करना भी शुरू कर दिया है** कि वे भारतीय मानकों के अनुरूप हैं या नहीं।
  - यह बात तब सामने आई है जब एक **अंतरराष्ट्रीय संस्था** ने इस बात पर प्रकाश डाला था कि **खाद्य** और **पेय पदार्थ** की **दिग्गज कंपनी नेस्ले दक्षिण एशियाई, अफ्रीकी** और **लैटिन अमेरिकी** देशों में **उच्च शुगर सामग्री वाला बेबी फॉर्मूला** बेच रही थी।
- **FSSAI** ने कहा था कि **भारत** से **नमूनों** की लैब रिपोर्ट मांगी जाएगी और जांच के लिए मौजूदा, **इन-हाउस** विषय विशेषज्ञ समिति के समक्ष रखी जाएगी।
  - अधिकारियों के मुताबिक, **मसालों** पर एक **समेकित रिपोर्ट 25 दिनों** में आने की संभावना है।

इथिलीन ऑक्साइड:
- एथिलीन ऑक्साइड एक मानव निर्मित रसायन है
- इसका उपयोग विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं में किया जाता है।
- यह एक मीठी गंध वाली ज्वलनशील गैस है।
- यह एक स्पष्ट रंगहीन गैस के रूप में दिखाई देती है
- यह पानी में आसानी से घुल सकता है।

- इसका उपयोग भंडारित कृषि उत्पादों में कीटनाशक के रूप में और चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज़ करने के लिए किया जाता है।
- इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) द्वारा एथिलीन ऑक्साइड को समूह -1 कार्सिनोजेन के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
  - एथिलीन ऑक्साइड के लगातार संपर्क से त्वचा, आंखों, नाक, गले और फेफड़ों में जलन हो सकती है और तंत्रिका तंत्र को नुकसान हो सकता है।

FSSAI :

- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) **खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006** (FSS अधिनियम) के तहत स्थापित एक **स्वायत्त वैधानिक निकाय** है।
- FSSAI **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** के अंतर्गत आता है और इसका **मुख्यालय दिल्ली** में है।
- FSSAI की जिम्मेदारी में **FSS अधिनियम, 2006** का अनुपालन सुनिश्चित करना शामिल है।
- **खाद्य सुरक्षा विभागों** के अधिकारियों द्वारा की जाने वाली **निगरानी, निगरानी, निरीक्षण और खाद्य उत्पादों के यादृच्छिक नमूने** के आधार पर किया जाता है।

7. प्रशासनिक आवंटन के लिए केंद्र की याचिका पर सुनवाई के लिए SC सहमत - द हिंदू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे

- रेडियो तरंगें
- स्पेक्ट्रम

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट** हाल ही में, **प्रतिस्पर्धी नीलामी** के बजाय **स्पेक्ट्रम** के **"निश्चित वर्ग"** के **प्रशासनिक आवंटन** की अनुमति देने के लिए **केंद्र सरकार** के एक आवेदन पर सुनवाई करने के लिए सहमत हुआ।

मुख्य बिंदु :

- **स्पेक्ट्रम** के '**प्रशासनिक आवंटन**' में, सरकार एक **दुर्लभ संसाधन** माने जाने वाले **एयरवेव्स** को वितरित करने के लिए **ऑपरेटरों के चयन** की विधि तय करती है।
- **केंद्र सरकार** ने कहा कि **स्पेक्ट्रम** न केवल **वाणिज्यिक दूरसंचार सेवाओं** के लिए बल्कि **सुरक्षा, सुरक्षा, आपदा** तैयारी आदि जैसे **संप्रभु** और **सार्वजनिक हित कार्यों के निर्वहन** के लिए भी आवंटित किया गया था।
- **वर्ष 2012** में, **सुप्रीम कोर्ट** ने यह दिखाने के लिए "**अवश्य(must)**" शब्द का इस्तेमाल किया था कि **स्पेक्ट्रम** के आवंटन में **नीलामी अनिवार्य** थी और किसी अन्य तरीके की अनुमति नहीं दी जा सकती थी।

स्पेक्ट्रम नीलामी:

- सेल फोन और वायरलाइन टेलीफोन जैसे संचार उपकरण हस्तक्षेप से बचने के लिए निर्दिष्ट आवृत्तियों पर एयरवेव्स या रेडियो तरंगों **के माध्यम से प्रसारित संकेतों** पर भरोसा करते हैं।
- जैसे-जैसे सेलफोन, **वायरलाइन टेलीफोन** और **इंटरनेट उपयोगकर्ताओं** की संख्या बढ़ती है, सिग्नल की बढ़ती मात्रा को समायोजित करने के लिए अधिक **स्पेक्ट्रम** स्थान की मांग होती है।
- **केंद्र सरकार**, जो **एयरवेव्स** सहित **देश** की **सीमाओं** के भीतर सभी सार्वजनिक रूप से **उपलब्ध संपत्तियों** की मालिक है, इन संकेतों को प्रसारित करने के लिए आवश्यक **आधारभूत संरचना** में निवेश करने की **इच्छुक कंपनियों** को **स्पेक्ट्रम** की नीलामी करती है।
- **दूरसंचार विभाग (संचार मंत्रालय)** नीलामी प्रक्रिया की देखरेख करता है, जिससे **इच्छुक कंपनियों** को स्पेक्ट्रम के रूप में ज्ञात **एयरवेव्स** की बिक्री की सुविधा मिलती है।
- विभिन्न प्रकार की **संचार सेवाओं** को समायोजित करने के लिए **स्पेक्ट्रम** को **अलग-अलग आवृत्तियों** वाले बैंड में विभाजित किया गया है।
- **भारतीय रेलवे** की **कवच टक्कर रोधी तकनीक** के लिए **700 मेगाहर्ट्ज बैंड** में अतिरिक्त **स्पेक्ट्रम आवंटित** किया जाएगा।
- **परिवहन प्रणालियों में सुरक्षा** और **संचालन** को बढ़ाने के लिए स्पेक्ट्रम **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र** परिवहन निगम के लिए भी **आरक्षित** किया जाएगा।
- **स्पेक्ट्रम एयरवेव्स** पर **सुरक्षा उद्देश्यों, आपदा** तैयारी जैसे कई **महत्वपूर्ण संचार** भी किए जाते हैं।
- सरकार प्रतिस्पर्धी बोली लगाने के बजाय स्पेक्ट्रम आवंटित करने के लिए कह रही है

रेडियो तरंगें

- **रेडियो तरंगें विद्युतचुंबकीय विकिरण** हैं जो **टेलीविजन**, **मोबाइल फोन और रेडियो** जैसी संचार **प्रौद्योगिकियों** में उनके उपयोग के लिए जानी जाती हैं।
- **EM स्पेक्ट्रम** में रेडियो तरंगों की **तरंग दैर्ध्य** सबसे लंबी होती है, जो **लगभग 0.04 इंच** (1 मिलीमीटर) से लेकर 62 मील (100 किलोमीटर) से अधिक होती है।
- उनकी आवृत्तियाँ भी सबसे कम हैं, लगभग **3,000 चक्र प्रति सेकंड,** या **3 किलोहर्ट्ज़** से लेकर लगभग **300 गीगाहर्ट्ज़** तक है ।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

8. ताइवान में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया - द हिंदू

प्रासंगिकता: भूकंप जैसी महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएँ

समाचार:

- हाल ही में **ताइवान में 7.4 तीव्रता** का भूकंप आया था ।
- पिछले दो दशकों में इंडोनेशिया, जापान, चीन, इटली, नेपाल, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, इक्काडोर, मैक्सिको, मोरक्को और तुर्की-सीरिया सीमा सहित दुनिया के कई हिस्सों में बड़े भूकंप आए हैं।

<table>
<tr><th>मुख्य बिंदु:</th><th>भारत में भूकंप बचाव संबंधी प्रयास :</th></tr>
<tr><td>

भूकंपों के स्थानिक वितरण को प्लेट टेक्टोनिक्स के सिद्धांत द्वारा समझाया गया है,

जो बताता है कि कैसे पृथ्वी की सबसे बाहरी परत, स्थलमंडल, 15 प्रमुख प्लेटों में विभाजित है जो लगातार एक दूसरे के सापेक्ष घूम रही हैं।
यही कारण है कि शक्तिशाली भूकंप हिमालय जैसी अभिसरण प्लेट सीमाओं पर केंद्रित होते हैं , जो भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के अभिसरण का एक टेक्टोनिक उत्पाद है।

वर्ष 2015 में नेपाल में आए भूकंप ने मध्य नेपाल में भारी तबाही मचाई, लेकिन भारत इससे बच गया। हिमाचल प्रदेश में मनाली के आसपास के क्षेत्र में हाल ही में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था।
ताइवान जो कि तेज़ भूकंपों वाला देश है।
इसका निर्माण पश्चिमी प्रशांत महासागर में फिलीपीन और यूरेशियन प्लेटों की अभिसरण सीमा पर हुआ था।

फिलीपीन सागर प्लेट उत्तर-पश्चिम में यूरेशियन प्लेट की ओर बढ़ रही है, जो भारतीय प्लेट की गति से भी तेज है।

आज, ताइवान की भूकंप संबंधी तैयारियां दुनिया में सबसे उन्नत हैं।

ताइवान के पास सबसे उन्नत भूकंप-निगरानी नेटवर्क और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली है।
व्यापक जागरूकता अभियान और सुरक्षा अभ्यास के साथ-साथ भूकंप सुरक्षा आवश्यकताओं पर सरकार के निरंतर अद्यतन ने भूकंप के जोखिमों के बारे में जनता की समझ में सुधार किया है।

प्रत्येक स्थान पर कंपन कितना गंभीर होगा, इसके आधार पर ताइवान ठोस वैज्ञानिक निर्णय तक पहुंचने में सक्षम है ।

ताइवान की सबसे प्रतिष्ठित इमारत, ताइपे 101 , नवीनतम भूकंप के दौरान क्षतिग्रस्त होने से बच गई।

</td><td>

आधारभूत संरचना के विस्तार के एक बड़े चरण से गुजर रहा है , इसलिए भूकंप सुरक्षा विशेष चिंता का विषय होनी चाहिए। सभी आधारभूत संरचना परियोजनाओं को भूकंपीय सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा।
ताइवान का भूकंप भारत के लिए महत्वपूर्ण सबक प्रदान करता है।

इनमें भूकंपीय कोड का पालन करना , सुरक्षित इंजीनियर संरचनाओं का निर्माण करना, और भूकंपीय कोड के प्रवर्तन और गैर-अनुपालन में अपर्याप्तताओं पर काबू पाना शामिल है।
भारत के कुछ हिस्सों में, भूकंप प्रतिरोधकता रखने वाली पारंपरिक वास्तुकला शैलियों को फिर से खोजा और प्रोत्साहित किया जा सकता है।

</td></tr>
</table>

9. जलवायु परिवर्तन के संबंध में संवैधानिक प्रावधान- द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

समाचार:

- **यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय** ने **स्विट्जरलैंड सरकार** को **स्विस नागरिक समाज** समूह की **महिला वरिष्ठ नागरिकों** के एक **समूह के अधिकारों** का उल्लंघन करने का दोषी पाया है।
- इसमें कहा गया है कि **उत्सर्जन** पर अंकुश लगाने के लिए **सरकार की कार्रवाई** अपर्याप्त थी और **जलवायु परिवर्तन** के प्रभावों से **महिलाओं की रक्षा** करने में विफल रही थी।

मुख्य बिंदु:	**जलवायु संकट से बचने के उपाय:**

• यह निर्णय, जो दुनिया में अपनी तरह का पहला है, इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे जलवायु संकट तेजी से मानवाधिकार संकट बनता जा रहा है।
• एक महीने पहले भारत में भी ऐसा ही एक संकटपूर्ण क्षण आया था, जब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का हवाला देते हुए फैसला सुनाया था कि लोगों को 'जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने' का अधिकार है।
• विश्व मौसम विज्ञान संगठन की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट की नवीनतम स्थिति से पता चला है कि अधिकांश जलवायु परिवर्तन संकेतक 2023 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।
  ○ इसने पुष्टि की कि तापमान की वैश्विक रिकॉर्डिंग शुरू होने के बाद से 2023 सबसे गर्म वर्ष होगा।
  ○ समुद्र की गर्मी, समुद्र के स्तर में वृद्धि, अंटार्कटिक समुद्री बर्फ की कमी और ग्लेशियर के पीछे हटने के रिकॉर्ड भी टूट गए है।
• ग्रह का स्वास्थ्य अत्यधिक टेंशन में है, जिससे लोगों के स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार प्रभावित हो रहा है।
• भारत ने आर्थिक विकास से उत्सर्जन को अलग करने की दिशा में तेजी से प्रगति की है। इसने अपने दो राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (NDC) लक्ष्य भी हासिल कर लिए हैं ,
  ○ अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को वर्ष 2005 के स्तर से 33% घटाकर 35% करना।
  ○ लक्ष्य वर्ष 2030 से काफी पहले, गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 40% संचयी विद्युत ऊर्जा स्थापित क्षमता प्राप्त करना।
• हालाँकि, देश जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है। इसकी 80% से अधिक आबादी उन जिलों में रहती है जो जलवायु-प्रेरित आपदाओं के जोखिम में हैं।
	• जलवायु परिवर्तन पर एक व्यापक विनियमन को अपनाना जबकि भारत में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कई कानून और नियम हैं, एक रूपरेखा कानून जलवायु शासन को मजबूत करने में मदद कर सकता है।
	• सतत विकास लक्ष्यों (SDG) के लिए भारत के स्थानीयकरण मॉडल ने SDG को बहु-स्तरीय और बहु-हितधारक प्रक्रियाओं के माध्यम से स्थानीय स्तर की योजना में सफलतापूर्वक एकीकृत किया है।
	  ○ एक अन्य मार्ग एक स्वास्थ्य पहल की तरह ही अंतर-मंत्रालयी और अंतर-क्षेत्रीय दृष्टिकोण पर आधारित हो सकता है।
	• पर्यावरण, जैव विविधता और जलवायु कार्रवाई पर अधिकार-आधारित संवाद को बढ़ावा देने के लिए नागरिक समूहों और नागरिक समाज संगठनों को सशक्त बनाना।

10. लोकसभा चुनाव: स्टार प्रचारक- उद्देश्य, संशोधित दिशानिर्देश - द हिन्दू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

प्रसंग :

- **दिल्ली** के **मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल** की **पत्नी सुनीता केजरीवाल** को **आम आदमी पार्टी** (आप) ने **गुजरात** में अपने **अभियान** के लिए **'स्टार प्रचारक'** के रूप में नियुक्त किया था।

कानूनी प्रावधान	सम्बंधित मुद्दे
• लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (RP अधिनियम) की धारा 77 'राजनीतिक दल के नेताओं' द्वारा किए गए व्यय से संबंधित कानून प्रदान करती है। • ये 'राजनीतिक दल के नेता' लोकप्रिय रूप से 'स्टार प्रचारक' के रूप में जाने जाते हैं। • एकमात्र आवश्यकता यह है कि इन व्यक्तियों को उस राजनीतिक दल का सदस्य होना चाहिए जो उन्हें नियुक्त करता है। • RP अधिनियम में प्रावधान है कि एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (राष्ट्रीय या राज्य) अधिकतम 40 स्टार प्रचारकों की नियुक्ति कर सकता है, जबकि एक पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल अधिकतम 20 स्टार प्रचारकों की नियुक्ति कर सकता है। • इन नामों को ऐसे चुनाव की अधिसूचना की तारीख से सात दिनों के भीतर चुनाव आयोग (EC) और राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) को सूचित किया जाना है। **स्टार प्रचारक से लाभ** • बड़े राज्यों में उम्मीदवारों के लिए चुनाव खर्च की सीमा प्रति लोकसभा क्षेत्र ₹95 लाख और छोटे राज्यों में ₹75 लाख है। • इसलिए, ये स्टार प्रचारक संबंधित पार्टियों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों की खर्च सीमा को प्रभावित किए बिना उनके लिए वोट खींचने वाले होंगे।	• चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार में मर्यादा और संयम बनाए रखने और चुनाव के स्तर को 'मुद्दा' आधारित बहस तक बढ़ाने की सलाह जारी की है। • सभी दलों के स्टार प्रचारक अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ मतदाताओं की जाति/सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के लिए अनुचित और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने और निराधार आरोप लगाने के दोषी हैं। • जनवरी 2020 में, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए एक अभियान के दौरान, चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले भड़काऊ बयान देने के लिए भाजपा के अनुराग ठाकुर और परवेश वर्मा को स्टार प्रचारकों की सूची से हटाने का आदेश दिया था। • अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग के पास ऐसी कोई शक्ति नहीं है। **क्या किया जाने की जरूरत है?** • वर्तमान में, RP अधिनियम में यह प्रावधान है कि राजनीतिक दल स्टार प्रचारकों की नियुक्ति या नियुक्ति रद्द कर सकते हैं। • संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार, चुनाव आयोग सर्वोच्च प्राधिकारी है जिसे चुनावों के अधीक्षण और नियंत्रण की शक्तियां प्रदान की गई हैं। • इसलिए, आदर्श आचार संहिता के किसी भी गंभीर उल्लंघन के मामले में, किसी नेता की 'स्टार प्रचारक' स्थिति को रद्द करने के लिए चुनाव आयोग को अधिकृत करने के लिए कानून में संशोधन किया जा सकता है। ○ जिससे पार्टी के उम्मीदवार अपने अभियानों के लिए व्यय राहत से वंचित हो गए।

निष्कर्ष

- उम्मीद है कि इससे उनमें **जिम्मेदारी** की भावना पैदा होगी और यह सुनिश्चित होगा कि **अभियान आवश्यक मर्यादा** और **संयम** बनाए रखें।
- साथ ही, **रैली/बैठक खर्चों** का **मूल्यांकन** और **विभाजन** जहां **स्टार प्रचारकों** का **विशेष उम्मीदवार** के लिए **अभियान** और **अधिक मजबूत** बनाया जाना चाहिए।

Mentorship India

फैक्ट फटाफट

1. रैम्पेज मिसाइल

- यह लंबी दूरी की, सुपरसोनिक, हवा से जमीन पर मार करने वाली, खोज रहित, सटीक मार करने वाली मिसाइल है।
- इसे इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज और इज़राइली मिलिट्री इंडस्ट्रीज सिस्टम्स द्वारा विकसित किया गया था।
- इसे संचार और कमांड सेंटर, वायु सेना अड्डों, रखरखाव केंद्रों और बुनियादी ढांचे जैसे उच्च गुणवत्ता वाले, अच्छी तरह से संरक्षित लक्ष्यों को नष्ट करने के उद्देश्य से मिशन में उपयोग के लिए विकसित किया गया है।
- यह सुपरसोनिक गति से यात्रा कर सकता है, जिससे वायु रक्षा प्रणालियों के साथ इसकी पहचान करना और अवरोधन करना मुश्किल हो जाता है।
- इसकी मारक क्षमता 190 मील से अधिक है।
- यह 150 किलोग्राम विस्फोटक ले जा सकता है।
- इसमें विस्फोट विखंडन या सामान्य प्रयोजन वारहेड है।

2. आर्टेमिस समझौते

- ये 21वीं सदी में नागरिक अंतरिक्ष अन्वेषण और उपयोग का मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किए गए सिद्धांतों का एक गैर-बाध्यकारी सेट हैं।
- ये सिद्धांत एक सुरक्षित और पूर्वानुमानित बाहरी अंतरिक्ष वातावरण के रखरखाव को सुनिश्चित करने में मदद करेंगे।
- नासा और अमेरिकी विदेश विभाग के सह-नेतृत्व में, आर्टेमिस समझौते की स्थापना 2020 में सात अन्य संस्थापक सदस्य देशों (ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इटली, जापान, लक्ज़मबर्ग, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम) के साथ की गई थी।
- अप्रैल 2024 तक, भारत सहित 38 हस्ताक्षरकर्ता थे।

3. माउंट एरेबस

- यह पृथ्वी पर सबसे दक्षिणी सक्रिय ज्वालामुखी है यह रॉस द्वीप, अंटार्कटिका पर स्थित है।
- यह एक स्ट्रैटोवोलकानो है, जिसकी विशेषता शंकाकार आकार और कठोर लावा, टेफ्रा और ज्वालामुखीय राख की परतें हैं।
- माउंट एरेबस अपनी सतत लावा झील के लिए जाना जाता है।
- झील कम से कम वर्ष 1972 से सक्रिय है और पृथ्वी पर केवल कुछ लंबे समय तक जीवित रहने वाली लावा झीलों में से एक है।
- यह लगातार मंथन करता है और कभी-कभी स्ट्रोमबोलियन विस्फोटों में पिघली हुई चट्टान के बम उगलता है।
- चूँकि ज्वालामुखी एक दूरस्थ स्थान पर है, शोधकर्ता उपग्रहों का उपयोग करके इसकी निगरानी करते हैं।

4. राष्ट्रीय बायोमटेरियल सेंटर (राष्ट्रीय ऊतक बैंक)

- मानव अंग प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम 2011 में ऊतक दान और ऊतक बैंकों के पंजीकरण के घटक को शामिल किया गया है।
- केंद्र की स्थापना का मुख्य जोर और उद्देश्य 'मांग' और 'आपूर्ति' के साथ-साथ विभिन्न ऊतकों की उपलब्धता में 'गुणवत्ता आश्वासन' के बीच के अंतर को भरना है।
- कार्य: ऊतक खरीद और वितरण के लिए समन्वय; दाता ऊतक स्क्रीनिंग; ऊतकों को हटाना और भंडारण करना; ऊतक का संरक्षण; ऊतकों की प्रयोगशाला जांच; ऊतक ट्रैकिंग; बंध्याकरण, अभिलेख रखरखाव; डेटा सुरक्षा

5. कॉपीराइट उल्लंघन

- कॉपीराइट का तात्पर्य कानून द्वारा साहित्यिक, नाटकीय, संगीत और कलात्मक कार्यों के रचनाकारों और सिनेमैटोग्राफ फिल्मों और ध्वनि रिकॉर्डिंग के निर्माताओं को दिए गए अधिकार से है।
- कॉपीराइट अधिकारों का एक समूह है जिसमें किसी कार्य के पुनरुत्पादन, जनता से संचार, अनुकूलन और अनुवाद के अधिकार शामिल हैं।
- वर्ष 1957 के कॉपीराइट अधिनियम का उद्देश्य रचनाकार की बौद्धिक संपदा माने जाने वाले रचनात्मक कार्यों की सुरक्षा करना है।
- किसी कॉपीराइट किए गए कार्य को "उल्लंघन" तभी माना जाएगा जब उसके बड़े हिस्से का उपयोग बिना अनुमति के किया गया हो।
- उल्लंघन के मामलों में, कॉपीराइट स्वामी कानूनी कार्रवाई कर सकता है और निषेधाज्ञा और क्षति जैसे उपचार का हकदार है।
- संबंधित जिला न्यायालय के पास कॉपीराइट उल्लंघन के संबंध में सिविल मुकदमों का क्षेत्राधिकार है।

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. हाल ही में समाचारों में देखा गया अगालेगा द्वीप निम्नलिखित में से किस देश पर निर्भर है?

A. मेडागास्कर
B. मॉरीशस
C. इंडोनेशिया
D. मालदीव

Q2. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. फ्रांस और इज़राइल एकमात्र ऐसे देश हैं जिन्होंने अपने संविधान में गर्भपात के गारंटीकृत अधिकार को शामिल किया है
2. वर्तमान में 40 से अधिक यूरोपीय देशों में गर्भपात की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन कुछ देशों में इस प्रक्रिया तक पहुंच को सीमित करने के प्रयास बढ़ रहे हैं।
3. संसद ने गर्भपात के गारंटीकृत अधिकार को अंकित करने के लिए संविधान में संशोधन किया है

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q3. अर्थ आवर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन I : अर्थ आवर संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक पहल है जो वर्ष 2007 में शुरू हुई थी।

कथन II: यह 180 से अधिक देशों के लोगों को बिजली बचाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए हर साल आयोजित किया जाता है

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है/हैं?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q4. सेंडाइ फ्रेमवर्क के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसमें 2015 और 2030 के बीच हासिल किए जाने वाले सात वैश्विक लक्ष्यों की रूपरेखा दी गई है।
2. यह आपदाओं से निपटने के लिए एक बाध्यकारी समझौता है।
3. यह ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन (2005-2015) का उत्तराधिकारी समझौता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q5. पर्यावरण में छोड़े जाने वाले 'माइक्रोबीड्स' के बारे में इतनी बड़ी चिंता क्यों है?

A. इन्हें समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के लिए हानिकारक माना जाता है।
B. इन्हें बच्चों में त्वचा कैंसर का कारण माना जाता है।
C. ये इतने छोटे होते हैं कि सिंचित खेतों में फसल के पौधों द्वारा अवशोषित किए जा सकते हैं।
D. इन्हें अक्सर खाद्य पदार्थों में मिलावट के रूप में उपयोग किया जाता पाया जाता है।

Q6. FSSAI निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
2. यह खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2010 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
3. FSSAI की जिम्मेदारी में FSS अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करना शामिल है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q7. रेडियो तरंगों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. पृथ्वी से प्रसारित रेडियो तरंगें मेसोस्फीयर द्वारा वापस पृथ्वी पर परावर्तित हो जाती हैं।
2. शॉर्टवेव रेडियो सिग्नल का उपयोग कम दूरी के लिए सिग्नल प्रसारित करने के लिए किया जाता है।
3. वाईफ़ाई आम तौर पर कम आवृत्ति वाली रेडियो तरंगों का उपयोग करता है

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q8. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. 1999 में ची-ची भूकंप ने जापान में बड़े पैमाने पर विनाश किया।
2. स्थलमंडल प्रमुख प्लेटों और छोटी प्लेटों में विभाजित है।
3. हुलिएन शहर, जो हाल ही में भूकंप से प्रभावित हुआ, चीन में स्थित है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q9. राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. ये जलवायु परिवर्तन का कारण बनने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु प्रभावों के अनुकूल ढलने के लक्ष्य हैं।
2. पेरिस समझौते के प्रत्येक पक्ष को NDC स्थापित करना आवश्यक है।
3. भारत ने अपना सारा राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान हासिल कर लिया है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q10. चुनाव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. उम्मीदवारों को RPA, 1950 के अनुसार नामांकन पत्र के साथ शपथ पत्र दाखिल करना होगा
2. आदर्श आचार संहिता को RPA, 1951 का वैधानिक समर्थन प्राप्त है
3. चुनाव आयोग मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के विभाजन/विलय से संबंधित विवादों का समाधान करता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Mentorship India

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प B सही है

व्याख्या

- हाल ही में, भारत और मॉरीशस ने संयुक्त रूप से अगालेगा द्वीप पर एक हवाई पट्टी और जेटी का उद्घाटन किया, जिससे क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुरक्षा बढ़ेगी।
- अगालेगा एक दो-द्वीप मॉरीशस निर्भरता है जो पोर्ट लुइस के उत्तर में 1,100 किमी और माले से 2,500 किमी दक्षिण-पश्चिम में है। **इसलिए, विकल्प B सही है।**
- उद्घाटन मॉरीशस को उसके विकास लक्ष्यों को पूरा करने और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने में समर्थन देने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- इससे मॉरीशस के विशाल 2.3 मिलियन वर्ग किलोमीटर विशेष आर्थिक क्षेत्र की अधिक प्रभावी निगरानी हो सकेगी।
- इसके अलावा, यह मॉरीशस को समुद्री डकैती, आतंकवाद, नशीले पदार्थों और मानव तस्करी और अवैध और अनियमित मछली पकड़ने से बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम बनाएगा।

उत्तर : 2 विकल्प A सही है

व्याख्या

- वर्तमान में गर्भपात के बारे में ऐसी विशिष्टता रखने वाला फ्रांस एकमात्र देश है। **इसलिए, कथन 1 गलत है।**
- वर्तमान में 40 से अधिक यूरोपीय देशों में गर्भपात की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन कुछ देशों में इस प्रक्रिया तक पहुंच को सीमित करने के प्रयास बढ़ रहे हैं। **अतः, कथन 2 सही है।**
- 1971 से भारत का गर्भपात कानून (MTP अधिनियम) (2021 में संशोधित) महिलाओं को गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देता है।
- 20 सप्ताह तक, एक डॉक्टर की मंजूरी पर्याप्त है।
- 20-24 सप्ताह तक, इसे केवल विशेष स्थितियों (जैसे बलात्कार या युवा लड़कियों) में ही अनुमति दी जाती है और इसके लिए दो डॉक्टरों से अनुमोदन की आवश्यकता होती है। **इसलिए, कथन 3 गलत है।**

उत्तर : 3 विकल्प D सही है

व्याख्या

- अर्थ आवर विश्व वन्यजीव कोष फॉर नेचर (WWF) की वार्षिक पहल है जो 2007 में शुरू हुई थी। **इसलिए, कथन 1 गलत है**
- यह हर साल मार्च के आखिरी शनिवार को आयोजित किया जाता है।
- यह 180 से अधिक देशों के लोगों को अपने स्थानीय समय के अनुसार रात 8.30 बजे से 9.30 बजे तक लाइट बंद करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- पर्यावरण संरक्षण के प्रतीकात्मक आह्वान में ऊर्जा बचाने के लिए गैर-आवश्यक प्रकाश व्यवस्था के उपयोग से परहेज करने का विचार है। **अतः, कथन 2 सही है**
- अर्थ आवर सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव के लिए एक उत्प्रेरक बन गया है, जो लोगों की शक्ति और सामूहिक कार्रवाई का उपयोग करके बड़े विधायी बदलाव ला रहा है।

उत्तर : 4 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- इसमें 2015 और 2030 के बीच हासिल किए जाने वाले सात वैश्विक लक्ष्यों की रूपरेखा दी गई है। **कथन 1 सही है।**
- यह आपदाओं से निपटने के लिए एक स्वैच्छिक और गैर-बाध्यकारी समझौता है। **कथन 2 गलत है.**
- सेंदाई फ्रेमवर्क ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन (HFA) (2005-2015) का उत्तराधिकारी समझौता है, **कथन 3 सही है।**

उत्तर : 5 विकल्प A सही है

व्याख्या:

- माइक्रोबीड्स छोटे, ठोस, निर्मित प्लास्टिक कण होते हैं जो 5 मिमी से कम होते हैं और पानी में ख़राब या घुलते नहीं हैं।
- माइक्रोबीड्स, अपने छोटे आकार के कारण, सीवेज उपचार प्रणाली से बिना फ़िल्टर किए गुजरते हैं और जल निकायों तक पहुंचते हैं। जल निकायों में अनुपचारित सूक्ष्म मोती समुद्री जानवरों द्वारा ग्रहण कर लिए जाते हैं

उत्तर : 6 विकल्प A सही है.

व्याख्या:

- FSSAI स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आता है। **कथन 1 गलत है.**
- यह खाद्य सुरक्षा और मानक (FSS) अधिनियम, 2006 के तहत स्थापित एक स्वायत्त वैधानिक निकाय है। **कथन 2 गलत है।**
- FSSAI की जिम्मेदारी में FSS अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करना शामिल है। प्रवर्तन खाद्य सुरक्षा विभागों के अधिकारियों द्वारा की जाने वाली निगरानी, निगरानी, निरीक्षण और खाद्य उत्पादों के यादृच्छिक नमूने के आधार पर किया जाता है। **कथन 3 सही है.**

उत्तर : 7 विकल्प D सही है

व्याख्या:

- पृथ्वी से प्रसारित रेडियो तरंगें आयनमंडल या बाह्यमंडल द्वारा वापस पृथ्वी पर परावर्तित हो जाती हैं। **कथन 1 गलत है.**
- **2.4 गीगाहर्ट्ज या 5 गीगाहर्ट्ज** की आवृत्ति पर प्रसारित होता है । **ये आवृत्तियाँ** सेलुलर ट्रांसमिशन के लिए उपयोग की जाने वाली आवृत्तियों से बहुत अधिक हैं। उच्च आवृत्ति का मतलब है कि सिग्नल अधिक डेटा ले जा सकते हैं। **कथन 3 गलत है.**
- शॉर्टवेव रेडियो सिग्नल का उपयोग **लंबी दूरी तक सिग्नल प्रसारित करने के लिए किया जाता है** । उनकी छोटी तरंग दैर्ध्य के कारण उन्हें शॉर्टवेव कहा जाता है। **कथन 2 गलत है.**

उत्तर : 8 विकल्प A सही है

व्याख्या:

- 1999 में, 7.7 तीव्रता का ची-ची भूकंप ताइवान के मध्य भाग में आया और पश्चिमी क्षेत्र को प्रभावित किया, जिससे बड़े पैमाने पर विनाश हुआ। **कथन 1 गलत है.**
- स्थलमंडल कई प्लेटों में टूटा हुआ है जो लगातार एक दूसरे के सापेक्ष गतिमान रहती हैं। **कथन 2 सही है.**
- हाल ही में ताइवान के हुलिएन शहर में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया था। **कथन 3 गलत है.**

उत्तर : 9 विकल्प B सही है.

व्याख्या:

- राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान, उत्सर्जन में कटौती और जलवायु प्रभावों के अनुकूल होने के लिए एक जलवायु कार्य योजना है। NDC वे हैं जहां देश जलवायु परिवर्तन का कारण बनने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु प्रभावों को अपनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हैं। **कथन 1 सही है.**
- पेरिस समझौते के प्रत्येक पक्ष को एक NDC स्थापित करना और हर पांच साल में इसे अद्यतन करना आवश्यक है। **कथन 2 सही है.**
- भारत ने अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) के दो लक्ष्यों को हासिल कर लिया है, जिसमें 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 33% से 35% तक कम करना और गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 40% संचयी विद्युत स्थापित क्षमता प्राप्त करना शामिल है। 2030 के लक्ष्य वर्ष का। **कथन 3 ग़लत।**

उत्तर : 10 विकल्प A सही है

व्याख्या-

- **RPA 1951 के अनुसार** : लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 33, चुनाव नियमों के नियम 4A के साथ पढ़ी जाती है, प्रत्येक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को एक शपथ पत्र के साथ चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करना आवश्यक है, **इसलिए कथन 1 गलत है।**
- आदर्श आचार संहिता का कोई वैधानिक समर्थन नहीं है, यह नैतिक दबाव और सार्वजनिक सहयोग पर निर्भर है, **इसलिए कथन 2 गलत है**
- चुनाव आयोग मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के विभाजन/विलय से संबंधित विवादों का समाधान करता है, **इसलिए कथन 3 सही है।**

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत
Digital India
Power To Empower
G20
भारत 2023 INDIA
MAKE IN INDIA